

Документ подписан простой электронной подписью  
Информация о владельце:  
ФИО: Солоненко Анна Александровна  
Должность: Директор  
Дата подписания: 22.06.2026 21:36:14  
Уникальный программный ключ:  
d9ba9a2cd160ab4af042fb478ab037f8b3050e51

## ФЕДЕРАЛЬНОЕ АГЕНТСТВО ПО РЫБОЛОВСТВУ

Дмитровский рыбохозяйственный технологический институт (филиал) федерального государственного бюджетного образовательного учреждения высшего образования «Астраханский государственный технический университет»

План одобрен Ученым советом  
ДРТИ ФГБОУ ВО "АГТУ"  
Протокол № 3 от 26.02.2026 г.

## УЧЕБНЫЙ ПЛАН

программы подготовки специалистов среднего звена  
по специальности среднего профессионального образования

Ректор



Неваленный А.Н.

### 15.02.06 Монтаж, техническая эксплуатация и ремонт холодильно-компрессорных и теплонасосных машин и установок (по отраслям)

Профиль СОО: технологический

Направленность образовательной программы: техник по холодильно-вентиляционной технике и системам кондиционирования воздуха

|                                                                                        |
|----------------------------------------------------------------------------------------|
| Квалификация: техник                                                                   |
| Форма обучения: Заочная                                                                |
| Срок получения образования по ОП: 4 г. 10 м.                                           |
| Уровень образования, необходимый для приема на обучение:<br>основное общее образование |

Год начала подготовки (по учебному плану) 2026

Образовательный стандарт (ФГОС) № 491 от 23.06.2022

План Учебный план ППССЗ СПО 'z\_15.02.06\_2026\_ Монтаж, тех. эксплуат. и ремонт ХК и ТМУ (по отраслям)\_9 кл..plx', код специальности 15.02.06, техник по холодильно-вентиляционной

| Курс | Семестр | Наименование дисциплины | Семестр 1 |  |  |  | Семестр 2 |  |  |  | Семестр 3 |  |  |  | Семестр 4 |  |  |  | Семестр 5 |  |  |  | Семестр 6 |  |  |  | Семестр 7 |  |  |  | Семестр 8 |  |  |  | Семестр 9 |  |  |  | Семестр 10 |  |  |  | Семестр 11 |  |  |  | Семестр 12 |  |  |  | Семестр 13 |  |  |  | Семестр 14 |  |  |  | Семестр 15 |  |  |  | Семестр 16 |  |  |  | Семестр 17 |  |  |  | Семестр 18 |  |  |  | Семестр 19 |  |  |  | Семестр 20 |  |  |  | Семестр 21 |  |  |  | Семестр 22 |  |  |  | Семестр 23 |  |  |  | Семестр 24 |  |  |  | Семестр 25 |  |  |  | Семестр 26 |  |  |  | Семестр 27 |  |  |  | Семестр 28 |  |  |  | Семестр 29 |  |  |  | Семестр 30 |  |  |  | Семестр 31 |  |  |  | Семестр 32 |  |  |  | Семестр 33 |  |  |  | Семестр 34 |  |  |  | Семестр 35 |  |  |  | Семестр 36 |  |  |  | Семестр 37 |  |  |  | Семестр 38 |  |  |  | Семестр 39 |  |  |  | Семестр 40 |  |  |  | Семестр 41 |  |  |  | Семестр 42 |  |  |  | Семестр 43 |  |  |  | Семестр 44 |  |  |  | Семестр 45 |  |  |  | Семестр 46 |  |  |  | Семестр 47 |  |  |  | Семестр 48 |  |  |  | Семестр 49 |  |  |  | Семестр 50 |  |  |  | Семестр 51 |  |  |  | Семестр 52 |  |  |  | Семестр 53 |  |  |  | Семестр 54 |  |  |  | Семестр 55 |  |  |  | Семестр 56 |  |  |  | Семестр 57 |  |  |  | Семестр 58 |  |  |  | Семестр 59 |  |  |  | Семестр 60 |  |  |  | Семестр 61 |  |  |  | Семестр 62 |  |  |  | Семестр 63 |  |  |  | Семестр 64 |  |  |  | Семестр 65 |  |  |  | Семестр 66 |  |  |  | Семестр 67 |  |  |  | Семестр 68 |  |  |  | Семестр 69 |  |  |  | Семестр 70 |  |  |  | Семестр 71 |  |  |  | Семестр 72 |  |  |  | Семестр 73 |  |  |  | Семестр 74 |  |  |  | Семестр 75 |  |  |  | Семестр 76 |  |  |  | Семестр 77 |  |  |  | Семестр 78 |  |  |  | Семестр 79 |  |  |  | Семестр 80 |  |  |  | Семестр 81 |  |  |  | Семестр 82 |  |  |  | Семестр 83 |  |  |  | Семестр 84 |  |  |  | Семестр 85 |  |  |  | Семестр 86 |  |  |  | Семестр 87 |  |  |  | Семестр 88 |  |  |  | Семестр 89 |  |  |  | Семестр 90 |  |  |  | Семестр 91 |  |  |  | Семестр 92 |  |  |  | Семестр 93 |  |  |  | Семестр 94 |  |  |  | Семестр 95 |  |  |  | Семестр 96 |  |  |  | Семестр 97 |  |  |  | Семестр 98 |  |  |  | Семестр 99 |  |  |  | Семестр 100 |  |  |  | Семестр 101 |  |  |  | Семестр 102 |  |  |  | Семестр 103 |  |  |  | Семестр 104 |  |  |  | Семестр 105 |  |  |  | Семестр 106 |  |  |  | Семестр 107 |  |  |  | Семестр 108 |  |  |  | Семестр 109 |  |  |  | Семестр 110 |  |  |  | Семестр 111 |  |  |  | Семестр 112 |  |  |  | Семестр 113 |  |  |  | Семестр 114 |  |  |  | Семестр 115 |  |  |  | Семестр 116 |  |  |  | Семестр 117 |  |  |  | Семестр 118 |  |  |  | Семестр 119 |  |  |  | Семестр 120 |  |  |  | Семестр 121 |  |  |  | Семестр 122 |  |  |  | Семестр 123 |  |  |  | Семестр 124 |  |  |  | Семестр 125 |  |  |  | Семестр 126 |  |  |  | Семестр 127 |  |  |  | Семестр 128 |  |  |  | Семестр 129 |  |  |  | Семестр 130 |  |  |  | Семестр 131 |  |  |  | Семестр 132 |  |  |  | Семестр 133 |  |  |  | Семестр 134 |  |  |  | Семестр 135 |  |  |  | Семестр 136 |  |  |  | Семестр 137 |  |  |  | Семестр 138 |  |  |  | Семестр 139 |  |  |  | Семестр 140 |  |  |  | Семестр 141 |  |  |  | Семестр 142 |  |  |  | Семестр 143 |  |  |  | Семестр 144 |  |  |  | Семестр 145 |  |  |  | Семестр 146 |  |  |  | Семестр 147 |  |  |  | Семестр 148 |  |  |  | Семестр 149 |  |  |  | Семестр 150 |  |  |  | Семестр 151 |  |  |  | Семестр 152 |  |  |  | Семестр 153 |  |  |  | Семестр 154 |  |  |  | Семестр 155 |  |  |  | Семестр 156 |  |  |  | Семестр 157 |  |  |  | Семестр 158 |  |  |  | Семестр 159 |  |  |  | Семестр 160 |  |  |  | Семестр 161 |  |  |  | Семестр 162 |  |  |  | Семестр 163 |  |  |  | Семестр 164 |  |  |  | Семестр 165 |  |  |  | Семестр 166 |  |  |  | Семестр 167 |  |  |  | Семестр 168 |  |  |  | Семестр 169 |  |  |  | Семестр 170 |  |  |  | Семестр 171 |  |  |  | Семестр 172 |  |  |  | Семестр 173 |  |  |  | Семестр 174 |  |  |  | Семестр 175 |  |  |  | Семестр 176 |  |  |  | Семестр 177 |  |  |  | Семестр 178 |  |  |  | Семестр 179 |  |  |  | Семестр 180 |  |  |  | Семестр 181 |  |  |  | Семестр 182 |  |  |  | Семестр 183 |  |  |  | Семестр 184 |  |  |  | Семестр 185 |  |  |  | Семестр 186 |  |  |  | Семестр 187 |  |  |  | Семестр 188 |  |  |  | Семестр 189 |  |  |  | Семестр 190 |  |  |  | Семестр 191 |  |  |  | Семестр 192 |  |  |  | Семестр 193 |  |  |  | Семестр 194 |  |  |  | Семестр 195 |  |  |  | Семестр 196 |  |  |  | Семестр 197 |  |  |  | Семестр 198 |  |  |  | Семестр 199 |  |  |  | Семестр 200 |  |  |  | Семестр 201 |  |  |  | Семестр 202 |  |  |  | Семестр 203 |  |  |  | Семестр 204 |  |  |  | Семестр 205 |  |  |  | Семестр 206 |  |  |  | Семестр 207 |  |  |  | Семестр 208 |  |  |  | Семестр 209 |  |  |  | Семестр 210 |  |  |  | Семестр 211 |  |  |  | Семестр 212 |  |  |  | Семестр 213 |  |  |  | Семестр 214 |  |  |  | Семестр 215 |  |  |  | Семестр 216 |  |  |  | Семестр 217 |  |  |  | Семестр 218 |  |  |  | Семестр 219 |  |  |  | Семестр 220 |  |  |  | Семестр 221 |  |  |  | Семестр 222 |  |  |  | Семестр 223 |  |  |  | Семестр 224 |  |  |  | Семестр 225 |  |  |  | Семестр 226 |  |  |  | Семестр 227 |  |  |  | Семестр 228 |  |  |  | Семестр 229 |  |  |  | Семестр 230 |  |  |  | Семестр 231 |  |  |  | Семестр 232 |  |  |  | Семестр 233 |  |  |  | Семестр 234 |  |  |  | Семестр 235 |  |  |  | Семестр 236 |  |  |  | Семестр 237 |  |  |  | Семестр 238 |  |  |  | Семестр 239 |  |  |  | Семестр 240 |  |  |  | Семестр 241 |  |  |  | Семестр 242 |  |  |  | Семестр 243 |  |  |  | Семестр 244 |  |  |  | Семестр 245 |  |  |  | Семестр 246 |  |  |  | Семестр 247 |  |  |  | Семестр 248 |  |  |  | Семестр 249 |  |  |  | Семестр 250 |  |  |  | Семестр 251 |  |  |  | Семестр 252 |  |  |  | Семестр 253 |  |  |  | Семестр 254 |  |  |  | Семестр 255 |  |  |  | Семестр 256 |  |  |  | Семестр 257 |  |  |  | Семестр 258 |  |  |  | Семестр 259 |  |  |  | Семестр 260 |  |  |  | Семестр 261 |  |  |  | Семестр 262 |  |  |  | Семестр 263 |  |  |  | Семестр 264 |  |  |  | Семестр 265 |  |  |  | Семестр 266 |  |  |  | Семестр 267 |  |  |  | Семестр 268 |  |  |  | Семестр 269 |  |  |  | Семестр 270 |  |  |  | Семестр 271 |  |  |  | Семестр 272 |  |  |  | Семестр 273 |  |  |  | Семестр 274 |  |  |  | Семестр 275 |  |  |  | Семестр 276 |  |  |  | Семестр 277 |  |  |  | Семестр 278 |  |  |  | Семестр 279 |  |  |  | Семестр 280 |  |  |  | Семестр 281 |  |  |  | Семестр 282 |  |  |  | Семестр 283 |  |  |  | Семестр 284 |  |  |  | Семестр 285 |  |  |  | Семестр 286 |  |  |  | Семестр 287 |  |  |  | Семестр 288 |  |  |  | Семестр 289 |  |  |  | Семестр 290 |  |  |  | Семестр 291 |  |  |  | Семестр 292 |  |  |  | Семестр 293 |  |  |  | Семестр 294 |  |  |  | Семестр 295 |  |  |  | Семестр 296 |  |  |  | Семестр 297 |  |  |  | Семестр 298 |  |  |  | Семестр 299 |  |  |  | Семестр 300 |  |  |  | Семестр 301 |  |  |  | Семестр 302 |  |  |  | Семестр 303 |  |  |  | Семестр 304 |  |  |  | Семестр 305 |  |  |  | Семестр 306 |  |  |  | Семестр 307 |  |  |  | Семестр 308 |  |  |  | Семестр 309 |  |  |  | Семестр 310 |  |  |  | Семестр 311 |  |  |  | Семестр 312 |  |  |  | Семестр 313 |  |  |  | Семестр 314 |  |  |  | Семестр 315 |  |  |  | Семестр 316 |  |  |  | Семестр 317 |  |  |  | Семестр 318 |  |  |  | Семестр 319 |  |  |  | Семестр 320 |  |  |  | Семестр 321 |  |  |  | Семестр 322 |  |  |  | Семестр 323 |  |  |  | Семестр 324 |  |  |  | Семестр 325 |  |  |  | Семестр 326 |  |  |  | Семестр 327 |  |  |  | Семестр 328 |  |  |  | Семестр 329 |  |  |  | Семестр 330 |  |  |  | Семестр 331 |  |  |  | Семестр 332 |  |  |  | Семестр 333 |  |  |  | Семестр 334 |  |  |  | Семестр 335 |  |  |  | Семестр 336 |  |  |  | Семестр 337 |  |  |  | Семестр 338 |  |  |  | Семестр 339 |  |  |  | Семестр 340 |  |  |  | Семестр 341 |  |  |  | Семестр 342 |  |  |  | Семестр 343 |  |  |  | Семестр 344 |  |  |  | Семестр 345 |  |  |  | Семестр 346 |  |  |  | Семестр 347 |  |  |  | Семестр 348 |  |  |  | Семестр 349 |  |  |  | Семестр 350 |  |  |  | Семестр 351 |  |  |  | Семестр 352 |  |  |  | Семестр 353 |  |  |  | Семестр 354 |  |  |  | Семестр 355 |  |  |  | Семестр 356 |  |  |  | Семестр 357 |  |  |  | Семестр 358 |  |  |  | Семестр 359 |  |  |  | Семестр 360 |  |  |  | Семестр 361 |  |  |  | Семестр 362 |  |  |  | Семестр 363 |  |  |  | Семестр 364 |  |  |  | Семестр 365 |  |  |  | Семестр 366 |  |  |  | Семестр 367 |  |  |  | Семестр 368 |  |  |  | Семестр 369 |  |  |  | Семестр 370 |  |  |  | Семестр 371 |  |  |  | Семестр 372 |  |  |  | Семестр 373 |  |  |  | Семестр 374 |  |  |  | Семестр 375 |  |  |  | Семестр 376 |  |  |  | Семестр 377 |  |  |  | Семестр 378 |  |  |  | Семестр 379 |  |  |  | Семестр 380 |  |  |  | Семестр 381 |  |  |  | Семестр 382 |  |  |  | Семестр 383 |  |  |  | Семестр 384 |  |  |  | Семестр 385 |  |  |  | Семестр 386 |  |  |  | Семестр 387 |  |  |  | Семестр 388 |  |  |  | Семестр 389 |  |  |  | Семестр 390 |  |  |  | Семестр 391 |  |  |  | Семестр 392 |  |  |  | Семестр 393 |  |  |  | Семестр 394 |  |  |  | Семестр 395 |  |  |  | Семестр 396 |  |  |  | Семестр 397 |  |  |  | Семестр 398 |  |  |  | Семестр 399 |  |  |  | Семестр 400 |  |  |  | Семестр 401 |  |  |  | Семестр 402 |  |  |  | Семестр 403 |  |  |  | Семестр 404 |  |  |  | Семестр 405 |  |  |  | Семестр 406 |  |  |  | Семестр 407 |  |  |  | Семестр 408 |  |  |  | Семестр 409 |  |  |  | Семестр 410 |  |  |  | Семестр 411 |  |  |  | Семестр 412 |  |  |  | Семестр 413 |  |  |  | Семестр 414 |  |  |  | Семестр 415 |  |  |  | Семестр 416 |  |  |  | Семестр 417 |  |  |  | Семестр 418 |  |  |  | Семестр 419 |  |  |  | Семестр 420 |  |  |  | Семестр 421 |  |  |  | Семестр 422 |  |  |  | Семестр 423 |  |  |  | Семестр 424 |  |  |  | Семестр 425 |  |  |  | Семестр 426 |  |  |  | Семестр 427 |  |  |  | Семестр 428 |  |  |  | Семестр 429 |  |  |  | Семестр 430 |  |  |  | Семестр 431 |  |  |  | Семестр 432 |  |  |  | Семестр 433 |  |  |  | Семестр 434 |  |  |  | Семестр 435 |  |  |  | Семестр 436 |  |  |  | Семестр 437 |  |  |  | Семестр 438 |  |  |  | Семестр 439 |  |  |  | Семестр 440 |  |  |  | Семестр 441 |  |  |  | Семестр 442 |  |  |  | Семестр 443 |  |  |  | Семестр 444 |  |  |  | Семестр 445 |  |  |  | Семестр 446 |  |  |  | Семестр 447 |  |  |  | Семестр 448 |  |  |  | Семестр 449 |  |  |  | Семестр 450 |  |  |  | Семестр 451 |  |  |  | Семестр 452 |  |  |  | Семестр 453 |  |  |  | Семестр 454 |  |  |  | Семестр 455 |  |  |  | Семестр 456 |  |  |  | Семестр 457 |  |  |  | Семестр 458 |  |  |  | Семестр 459 |  |  |  | Семестр 460 |  |  |  | Семестр 461 |  |  |  | Семестр 462 |  |  |  | Семестр 463 |  |  |  | Семестр 464 |  |  |  | Семестр 465 |  |  |  | Семестр 466 |  |  |  | Семестр 467 |  |  |  | Семестр 468 |  |  |  | Семестр 469 |  |  |  | Семестр 470 |  |  |  | Семестр 471 |  |  |  | Семестр 472 |  |  |  | Семестр 473 |  |  |  | Семестр 474 |  |  |  | Семестр 475 |  |  |  | Семестр 476 |  |  |  | Семестр 477 |  |  |  | Семестр 478 |  |  |  | Семестр 479 |  |  |  | Семестр 480 |  |  |  | Семестр 481 |  |  |  | Семестр 482 |  |  |  | Семестр 483 |  |  |  | Семестр 484 |  |  |  | Семестр 485 |  |  |  | Семестр 486 |  |  |  | Семестр 487 |  |  |  | Семестр 488 |  |  |  | Семестр 489 |  |  |  | Семестр 490 |  |  |  | Семестр 491 |  |  |  | Семестр 492 |  |  |  | Семестр 493 |  |  |  | Семестр 494 |  |  |  | Семестр 495 |  |  |  | Семестр 496 |  |  |  | Семестр 497 |  |  |  | Семестр 498 |  |  |  | Семестр 499 |  |  |  | Семестр 500 |  |  |  | Семестр 501 |  |  |  | Семестр 502 |  |  |  | Семестр 503 |  |  |  | Семестр 504 |  |  |  | Семестр 505 |  |  |  | Семестр 506 |  |  |  | Семестр 507 |  |  |  | Семестр 508 |  |  |  | Семестр 509 |  |  |  | Семестр 510 |  |  |  | Семестр 511 |  |  |  | Семестр 512 |  |  |  | Семестр 513 |  |  |  | Семестр 514 |  |  |  | Семестр 515 |  |  |  | Семестр 516 |  |  |  | Семестр 517 |  |  |  | Семестр 518 |  |  |  | Семестр 519 |  |  |  | Семестр 520 |  |  |  | Семестр 521 |  |  |  | Семестр 522 |  |  |  | Семестр 523 |  |  |  | Семестр 524 |  |  |  | Семестр 525 |  |  |  | Семестр 526 |  |  |  | Семестр 527 |  |  |  | Семестр 528 |  |  |  | Семестр 529 |  |  |  | Семестр 530 |  |  |  | Семестр 531 |  |  |  | Семестр 532 |  |  |  | Семестр 533 |  |  |  | Семестр 534 |  |  |  | Семестр 535 |  |  |  | Семестр 536 |  |  |  | Семестр 537 |  |  |  | Семестр 538 |  |  |  | Семестр 539 |  |  |  | Семестр 540 |  |  |  | Семестр 541 |  |  |  | Семестр 542 |  |  |  | Семестр 543 |  |  |  | Семестр 544 |  |  |  | Семестр 545 |  |  |  | Семестр 546 |  |  |  | Семестр 547 |  |  |  | Семестр 548 |  |  |  | Семестр 549 |  |  |  | Семестр 550 |  |  |  | Семестр 551 |  |  |  | Семестр 552 |  |  |  | Семестр 553 |  |  |  | Семестр 554 |  |  |  | Семестр 555 |  |  |  | Семестр 556 |  |  |  | Семестр 557 |  |  |  | Семестр 558 |  |  |  | Семестр 559 |  |  |  | Семестр 560 |  |  |  | Семестр 561 |  |  |  | Семестр 562 |  |  |  | Семестр 563 |  |  |  | Семестр 564 |  |  |  | Семестр 565 |  |  |  | Семестр 566 |  |  |  | Семестр 567 |  |  |  | Семестр 568 |  |  |  | Семестр 569 |  |  |  | Семестр 570 |  |  |  | Семестр 571 |  |  |  | Семестр 572 |  |  |  | Семестр 573 |  |  |  | Семестр 574 |  |  |  | Семестр 575 |  |  |  | Семестр 576 |  |  |  | Семестр 577 |  |  |  | Семестр 578 |  |  |  | Семестр 579 |  |  |  | Семестр 580 |  |  |  | Семестр 581 |  |  |  | Семестр 582 |  |  |  | Семестр 583 |  |  |  | Семестр 584 |  |  |  | Семестр 585 |  |  |  | Семестр 586 |  |  |  | Семестр 587 |  |  |  | Семестр 588 |  |  |  | Семестр 589 |  |  |  | Семестр 590 |  |  |  | Семестр 591 |  |  |  | Семестр 592 |  |  |  | Семестр 593 |  |  |  | Семестр 594 |  |  |  | Семестр 595 |  |  |  | Семестр 596 |  |  |  | Семестр 597 |  |  |  | Семестр 598 |  |  |  | Семестр 599 |  |  |  | Семестр 600 |  |  |  | Семестр 601 |  |  |  | Семестр 602 |  |  |  | Семестр 603 |  |  |  | Семестр 604 |  |  |  | Семестр 605 |  |  |  | Семестр 606 |  |  |  | Семестр 607 |  |  |  | Семестр 608 |  |  |  | Семестр 609 |  |  |  | Семестр 610 |  |  |  | Семестр 611 |  |  |  | Семестр 612 |  |  |  | Семестр 613 |  |  |  | Семестр 614 |  |  |  | Семестр 615 |  |  |  | Семестр 616 |  |  |  | Семестр 617 |  |  |  | Семестр 618 |  |  |  | Семестр 619 |  |  |  | Семестр 620 |  |  |  | Семестр 621 |  |  |  | Семестр 622 |  |  |  | Семестр 623 |  |  |  | Семестр 624 |  |  |  | Семестр 625 |  |  |  | Семестр 626 |  |  |  | Семестр 627 |  |  |  | Семестр 628 |  |  |  | Семестр 629 |  |  |  | Семестр 630 |  |  |  | Семестр 631 |  |  |  | Семестр 632 |  |  |  | Семестр 633 |  |  |  | Семестр 634 |  |  |  | Семестр 635 |  |  |  | Семестр 636 |  |  |  | Семестр 637 |  |  |  | Семестр 638 |  |  |  | Семестр 639 |  |  |  | Семестр 640 |  |  |  | Семестр 641 |  |  |  | Семестр 642 |  |  |  | Семестр 643 |  |  |  | Семестр 644 |  |  |  | Семестр 645 |  |  |  | Семестр 646 |  |  |  | Семестр 647 |  |  |  | Семестр 648 |  |  |  | Семестр 649 |  |  |  | Семестр 650 |  |  |  | Семестр 651 |  |  |  | Семестр 652 |  |  |  | Семестр 653 |  |  |  | Семестр 654 |  |  |  | Семестр 655 |  |  |  | Семестр 656 |  |  |  | Семестр 657 |  |  |  | Семестр 658 |  |  |  | Семестр 659 |  |  |  | Семестр 660 |  |  |  | Семестр 661 |  |  |  | Семестр 662 |  |  |  | Семестр 663 |  |  |  | Семестр 664 |  |  |  | Семестр 665 |  |  |  | Семестр 666 |  |  |  | Семестр 667 |  |  |  | Семестр 668 |  |  |  | Семестр 669 |  |  |  | Семестр 670 |  |  |  | Семестр 671 |  |  |  | Семестр 672 |  |  |  | Семестр 673 |  |  |  | Семестр 674 |  |  |  | Семестр 675 |  |  |  | Семестр 676 |  |  |  | Семестр 677 |  |  |  | Семестр 678 |  |  |  | Семестр 679 |  |  |  | Семестр 680 |  |  |  | Семестр 681 |  |  |  | Семестр 682 |  |  |  | Семестр 683 |  |  |  | Семестр 684 |  |  |  | Семестр 685 |  |  |  | Семестр 686 |  |  |  | Семестр 687 |  |  |  | Семестр 688 |  |  |  | Семестр 689 |  |  |  | Семестр 690 |  |  |  | Семестр 691 |  |  |  | Семестр 692 |  |  |  | Семестр 693 |  |  |  | Семестр 694 |  |  |  | Семестр 695 |  |  |  | Семестр 696 |  |  |  | Семестр 697 |  |  |  | Семестр 698 |  |  |  | Семестр 699 |  |  |  | Семестр 700 |  |  |  | Семестр 701 |  |  |  | Семестр 702 |  |  |  | Семестр 703 |  |  |  | Семестр 704 |  |  |  | Семестр 705 |  |  |  | Семестр 706 |  |  |  | Семестр 707 |  |  |  | Семестр 708 |  |  |  | Семестр 709 |  |  |  | Семестр 710 |  |  |  | Семестр 711 |  |  |  | Семестр 712 |  |  |  | Семестр 713 |  |  |  | Семестр 714 |  |  |  | Семестр 715 |  |  |  | Семестр 716 |  |  |  | Семестр 717 |  |  |  | Семестр 718 |  |  |  | Семестр 719 |  |  |  | Семестр 720 |  |  |  | Семестр 721 |  |  |  | Семестр 722 |  |  |  | Семестр 723 |  |  |  | Семестр 724 |  |  |  | Семестр 725 |  |  |  | Семестр 726 |  |  |  | Семестр 727 |  |  |  | Семестр 728 |  |  |  | Семестр 729 |  |  |  | Семестр 730 |  |  |  | Семестр 731 |  |  |  | Семестр 732 |  |  |  | Семестр 733 |  |  |  | Семестр 734 |  |  |  | Семестр 735 |  |  |  | Семестр 736 |  |  |  | Семестр 737 |  |  |  | Семестр 738 |  |  |  | Семестр 739 |  |  |  | Семестр 740 |  |  |  | Семестр 741 |  |  |  | Семестр 742 |  |  |  | Семестр 743 |  |  |  | Семестр 744 |  |  |  | Семестр 745 |  |  |  | Семестр 746 |  |  |  | Семестр 747 |  |  |  | Семестр 748 |  |  |  | Семестр 749 |  |  |  | Семестр 750 |  |  |  | Семестр 751 |  |  |  | Семестр 752 |  |  |  | Семестр 753 |  |  |  | Семестр 754 |  |  |  | Семестр 755 |  |  |  | Семестр 756 |  |  |  | Семестр 757 |  |  |  | Семестр 758 |  |  |  | Семестр 759 |  |  |  | Семестр 760 |  |  |  | Семестр 761 |  |  |  | Семестр 762 |  |  |  | Семестр 763 |  |  |  | Семестр 764 |  |  |  | Семестр 765 |  |  |  | Семестр 766 |  |  |  | Семестр 767 |  |  |  | Семестр 768 |  |  |  | Семестр 769 |  |  |  | Семестр 770 |  |  |  | Семестр 771 |  |  |  | Семестр 772 |  |  |  | Семестр 773 |  |  |  | Семестр 774 |  |  |  | Семестр 775 |  |  |  | Семестр 776 |  |  |  | Семестр 777 |  |  |  | Семестр 778 |  |  |  |
|------|---------|-------------------------|-----------|--|--|--|-----------|--|--|--|-----------|--|--|--|-----------|--|--|--|-----------|--|--|--|-----------|--|--|--|-----------|--|--|--|-----------|--|--|--|-----------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|
|------|---------|-------------------------|-----------|--|--|--|-----------|--|--|--|-----------|--|--|--|-----------|--|--|--|-----------|--|--|--|-----------|--|--|--|-----------|--|--|--|-----------|--|--|--|-----------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|-------------|--|--|--|